दैनिक जागरण

रैपिड के लिए पिलर बनाने में आई तेजी, ऊंचे किए जा रहे विद्युत टावर

जासं, गाजियाबाद : दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल कॉरिडोर का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। गुलधर-दुहाई के बीच एक साथ कई पिलर बनाए जा रहे हैं। दूसरी तरफ बीच में आ रहे हाईटेंशन विद्युत टावर को ऊंचा करने का काम किया जा रहा है। कुल 13 टावर ऊंचे करने हैं। एक टावर पहले ही ऊंचा कर दिया गया था। दूसरे टावर की ऊंचाई रविवार को बढ़ाई गई। इस परियोजना के लिए लोन मुहैया कराने वाले एशियन डेवलपमेंट बैंक के अधिकारी निर्माण कार्य पर नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने निरीक्षण कर तेज गति से निर्माण करने के लिए नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (एनसीआरटीसी) की रणनीति की सराहना की है। पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है।

दिल्ली के सराय कालेखां से मेरठ के मोदीपुरम तक 82.15 किलोमीटर का रैपिड रेल कॉरिडोर बनना है। पहले चरण में साहिबाबाद से दुहाई के बीच 17 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर का निर्माण होगा। इसके लिए गुलधर-दुहाई के बीच पिलर बनाने का काम किया जा रहा है। एनसीआरटीसी के अधिकारियों ने बताया कि एक तरफ पिलर का निर्माण चल रहा है। दूसरी तरफ जल्द ही वसुंधरा कास्टिंग यार्ड में कॉरिडोर के स्लैब बनाने का कार्य शुरू होने जा रहा है।

उन्होंने बताया कि पहले चरण का काम 2023 तक पूरा कर लिया जाएगा। ताकि, निर्धारित लक्ष्य पर साहिबाबाद से दुहाई के बीच रैपिड रेल का संचालन सबसे पहले शुरू किया जा सके। एशियन डेवलपमेंट बैंक के अधिकारियों ने निर्माण कार्य स्थल का निरीक्षण कर लिया है। वह कार्य से संतुष्ट हैं। एनसीआरटीसी की रणनीति की सराहना करते हुए उन्होंने हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया है।

यह भी बताया कि इस कॉरिडोर के रास्ते में आ रहे 13 हाईटेंशन विद्युत टावरों को ऊंचा करने का काम शुरू कर दिया गया है। मुरादनगर क्षेत्र के चार, गाजियाबाद डिवीजन-1 के दो और गाजियाबाद डिवीजन-2 के सात टावर बीच में आ रहे हैं। एक टावर ऊंचा किया जा चुका है। दूसरा टावर रविवार को 132 केवी मुरादनगर डीपीएच लाइन पर ऊंचा किया गया है। उन्होंने बताया कि मानसून के दौरान बारिश से काम पर फर्क नहीं पड़ेगा। कुछ दिन काम बंद करना पड़ सकता है।

ट्रैफिक बाधित किए बगैर काम जारी

एनसीआरटीसी ने पूरी तैयारी करने के बाद ही निर्माण कार्य शुरू किया है। ऐसे में मेरठ रोड के बीचोंबीच बैरिकेडिंग होने के बाद ट्रैफिक कहीं भी बाधित नहीं हो रहा।

रोडवेज वर्कशॉप के लिए शताब्दीनगर की जमीन पसंद

जासं, मेरठ : रैपिड रेल का स्टेशन भैंसाली रोडवेज बस स्टैंड के पास स्थित रोडवेज वर्कशाप में बनेगा। इसके साथ ही क्षेत्रीय वर्कशाप को स्थानांतरित करने के लिए जमीन की तलाश की जा रही है। तीन जमीन के प्रस्ताव हैं जिनमें से शताब्दीनगर की जमीन पहली पसंद बनी है। अफसरों को इस प्रस्ताव पर मुख्यालय की मुहर लगने का इंतजार है। क्षेत्रीय वर्कशाप के लिए जमीन तलाशने की जिम्मेदारी शासन ने एमडीए को सौंपी है। एमडीए ने रुड़की बाईपास, हापुड़ रोड और शताब्दीनगर में भूमि दिखाई थी। शताब्दीनगर में 3 .5 हेक्टेयर भूमि एमडीए की है। जबकि अन्य दोनों स्थानों पर किसानों से भूमि लेनी होगी। जो कि लंबी प्रक्रिया होगी।

रैपिड स्टेशन के लिए ली जाएगी 7500 वर्गमीटर जमीन

रोडवेज की क्षेत्रीय वर्कशाप में विशेष मशीनें और उपकरण उपलब्ध हैं। यहां पर शामली, बागपत, गढ़ बस अड्डों की बसों की भी मरम्मत की जाती है। रैपिड रेल के स्टेशन और भूमिगत लाइन बिछाने के लिए एनसीआरटीसी ने 7,500 वर्ग मीटर जमीन स्थायी रूप से मांगी है। जबकि 8,800 वर्गमीटर भूमि लगभग तीन साल के लिए मांगी है।

बस अड्डा चलता रहेगा, रैपिड का काम भी नहीं रुकेगा

बस अड्डे का संचालन प्रभावित न हो और रैपिड का काम भी चलता रहे, इसके लिए रोडवेज और रैपिड के अधिकारियों ने कार्य योजना तैयार की है। जिसके तहत सबसे पहले चयनित भूमि पर क्षेत्रीय कार्यशाला का निर्माण होगा। फिर उसे शिफ्ट किया जाएगा। रीजनल वर्कशाप फिलहाल 1.25 हेक्टेयर में है। इस परिसर की 7500 वर्ग मीटर जमीन पर रैपिड का स्टेशन बनेगा। बची भूमि पर मेरठ डिपो की वर्कशाप बनाई जाएगी। वर्कशाप शिफ्ट होते ही भूमि एनसीआरटीसी को सौंप दी जाएगी। वहीं, क्षेत्रीय प्रबंधक नीरज सक्सेना ने बताया कि एमडीए द्वारा उपलब्ध कराए गए विकल्पों में शताब्दीनगर की भूमि उपयुक्त पाई गई है। प्रस्ताव स्वीकृत होते ही काम शुरू होगा।